Literacy for a Billion

Movie: Mujhe Kucch Kehna Hai
Year: 2001

Song: Jab Se Dekha Hai
Lyricist: Sameer

जब से देखा है
तेरे हाथ का चाँद
मैंने देखा नहीं
रात का चाँद

जब से देखा है
तेरे हाथ का चाँद
मैंने देखा नहीं
रात का चाँद

दिल मेरा खो गया
बेख़बर हो गया
ओ हो ओ ...
दिल मेरा खो गया
बेख़बर हो गया

कैसा था
पहली मुलाक़ात का चाँद

हो ओ ओ ...
जब से देखा है
तेरे हाथ का चाँद
मैंने देखा नहीं
रात का चाँद

हूँ... खुली खिड़की से
हवा जो आए
तेरे आँचल की
वो खुशबू लाए

चलाया जादू
यू तूने कैसे
कि हाल है मेरा
दीवानों जैसा

आसमाँ झुक गया
पल वहीं रुक गया
कोई आहट हुई तो
धड़कने लगा दिल मेरा

ओ ओ ...
जब से देखा है
तेरे हाथ का चाँद
मैंने देखा नहीं
रात का चाँद

हो ... कभी बाँहों में
कभी कलियों में
कभी राहों में
कभी गलियों में
कभी ग़ैरों में
कभी अपनों में
कभी यादों में
कभी सपनों में
ढूँढता हूँ तुझे
देखता हूँ तुझे
है मेरी ये तमन्ना
कि जल्दी मिटे फ़ासला
हो ओ ओ...

जब से देखा है
तेरे हाथ का चाँद

मैंने देखा नहीं
रात का चाँद

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.